Headline: Design for Change Campaign

Publication: Nai Duniya

Edition: Bhopal

Date: 11.12.13

सत्य भारती स्कूल के छात्रों को सामुदायिक विकास अभियानों के लिए मिला प्रतिष्ठित सम्मान

नई दिल्ली। भारती एंटरप्राइज़ेस की कल्याणकारी शाखा भारती फांउडेशन ने आज यहां घोषणा की है कि 46 सत्य भारती स्कूलों के सामुदायिक विकास अभियानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त डिजाइन फॉर चेंज पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। डिजाइन फॉर चेंज अंतरराष्ट्रीय मंच है जो बेहतर दुनिया बनाने के लिए बच्चों को अपने विचारों को अभिव्यक्त करने और उन्हें साकार करने का अवसर देता है। इस साल देशभर के 19 राज्यों के 540 स्कूलों से कुल 705 किस्से-कहानियां प्राप्त हुईं। ग्रामीण भारत के 162 सत्य भारती स्कूलों ने बदलाव की 172 कहानियां जमा करायीं जिन्हें समाज के कम सुविधाप्राप्त वर्ग के बच्चों ने अपने-अपने समुदायों में नेतृत्व प्रदान किया था। इनमें से 02 को टॉप 20, 01 को जूरी पिक, 19 को ऑनरेबल मेंशन (टॉप 72) तथा 24 को स्पेशल एक्नॉलेजमेंट श्रेणियों में चुना गया और कुल 46 पुरस्कारों के लिए चुना गया।भारती फाउंडेशन का गठन वर्ष 2000 में भारती ग्रुप ऑफ एंटरप्राइजेस की कल्याणकारी गतिविधियों के संचालन के मकसद से गया था ताकि शहरी और ग्रामीण भारत के बीच के अंतर को कम किया जा सके। इस उद्देश्य से फाउंडेशन ने अपना फ्लैगशिप सत्य भारती स्कूल प्रोग्राम 2006 में शुरू किया। कार्यक्रम के जरिए भारत के गांवों में बसने वाले कम सुविधाप्राप्त वर्ग के बच्चों, और खासतौर से लड़कियों को मुफ्त स्तरीय शिक्षा प्रदान की जाती है। यह कार्यक्रम छात्रों को शिक्षित, आत्मविश्वास से भरपूर, रोज़गार की क्षमताओं से लैस तथा सामाजिक स्तर पर जिम्मेदार नागरिक बनाएगा। फिलहाल देशभर के छह राज्यों में 254 सत्य भारती स्कूलों (186 प्राइमरी, 63 एलीमेंट्री और पांच सीनियर सेकंडरी स्कूलों समेत) में 39,000 से अधिक छात्र शिक्षारत है। इस प्रोग्राम का मकसद स्तरीय शिक्षा के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में भी व्यापक प्रभाव छोड़ना है। डिजाइन फॉर चेंज बेहतर विश्व के निर्माण के लिए बच्चों को अपने विचारों को अभिव्यक्त करने और उन्हें साकार रूप देने के मकसद से शुरू किया गया सबसे बड़ा वैश्विक स्तर का आंदोलन है। बच्चे और वयस्क डिजाइन फॉर चेंज चैलेंज के जरिए यह सीखेते है कि ठआई कैनठ दो ऐसे मजबूत शब्द है जिनमें कोई भी व्यक्ति भरोसा कर सकता है। अहसास, कल्पना, करना और साझा करना जैसे चार आसान चरणों पर अमल कर बच्चे दुनियाभर में अपने विचारों को मूर्त रूप दे रहे है। बच्चे यह साबित कर रहे है उनके पास वो सब है जिसके बलबूते वांछित भविष्य का निर्माण किया जा सकता है। इस साल डिजाइन फॉर चेंज ने 34 देशों में कदम बढ़ाया और 300,000 से अधिक स्कूलों में पहुंचकर हजारों बच्चों, उनके शिक्षकों तथा अभिभावकों को प्रेरित किया तथा यह संदेश दिया कि बदलाव वास्तव में, संभव है और यह भी कि वे इस परिवर्तन को दिशा दे सकते है।